



CLASS: 3

SUBJECT : HINDI)

CHAPTER NAME & NO) पाठ - 14 बगीचे का घोंघा

SUB -TOPIC- लिखित तथा मूल्यपरक प्रश्न उत्तर

CHANGING YOUR TOMORROW





शब्दार्थ

१. दुनिया - संसार
२. आश्चर्यचकित - हैरान हो जाना
३. धीमे - धीमे - धीरे-धीरे
४. छोर - एक कोने से दूसरे कोने तक
५. छेद - सुराख, बिल
६. तय करना - निश्चय करना
७. शंख - एक खोल
८. वास्तव में - सही मायने में
९. नज़ारे - दृश्य
१०. फुदकना - कूदना
११. अद्भुत - अनोखा



मौखिक प्रश्न उत्तर –

प्रश्न – घोंघा कहाँ रहता था ?

उत्तर – घोंघा एक बगीचे में रहता था ।

प्रश्न – बगीचा कैसा था ?

उत्तर – बगीचा बहुत छोटा तथा सुंदर था ।

प्रश्न – घोंघा क्या सोचता रहता था ?

उत्तर – घोंघा बाहर की दुनिया के बारे में सोचता रहता था ।



लिखित

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क. घोंघे ने अपनी सारी जिंदगी कहाँ बिताई?

उ: घोंघे ने अपनी सारी जिंदगी एक छोटे से बगीचे में गुजारी थी।

ख. घोंघे की माँ उससे क्या कहा करती थीं?

उ: घोंघे की माँ उससे कहा करती थीं , "अगर तुमने ज्यादा बदमाशी की तो मैं तुम्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी।"



ग. घोंघा क्यों डर गया?

उ: घोंघे ने जब खड़खड़ की आवाज सुनी तो उसे लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है , तब वह डर गया।

घ. घोंघे ने दुनिया के सुंदर नजारे कहाँ से देखे ?

उ: घोंघे ने दुनिया के सुंदर नज़ारे एक पत्थर के ऊपर से चढ़कर देखा।



3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए-
क. घाँघे का सिर क्यों चकरा गया ?

उ: एक बड़े से पेड़ को देखकर घाँघे का सर चकराया क्योंकि उसने अपने जीवन में इतना लंबा और बड़ा पेड़ नहीं देखा था ।

ख. घाँघे को बाहर की दुनिया कैसी लगी और क्यों ?

उ: घाँघा को बाहर की दुनिया बड़ी, सुंदर और अनोखी लगी क्योंकि वह एक छोटे से बगीचे में रहता था । इससे पहले उसने इतनी बड़ी दुनिया कभी नहीं देखी थी।



गृह कार्य

पृष्ठ संख्या १०६ प्रश्न संख्या २ तथा ३ के सारे कार्य को कक्षा कार्य काँपी में लिखें

अध्ययन के परिणाम



पठन तथा लेखन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना



शुद्ध उच्चारण की जानकारी पाना



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP